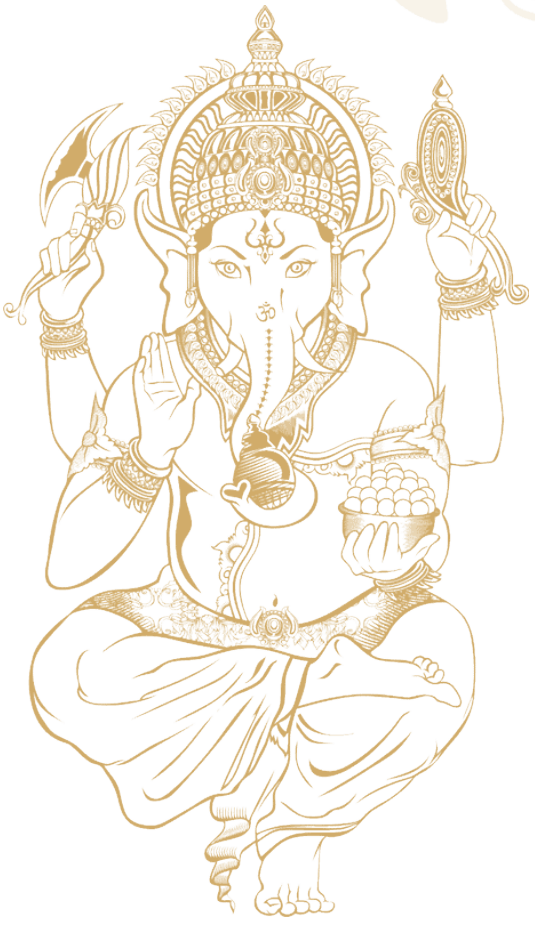

Abhijeet Mishra

Ashtha Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121664104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/10/1994	जन्म तिथि	9-10/09/1998
शुक्रवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 15:15:00	जन्म समय	03:17:00 घंटे
घटी 23:28:12	जन्म समय(घटी)	54:04:17 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:43	सूर्योदय	05:39:17
17:37:50	सूर्यास्त	18:08:03
23:47:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 14वर्ष 3मा 29दि		02:58:21	कुंभ	लग्न	कर्क	21:04:38	केतु 1वर्ष 4मा 0दि	
शनि		20:06:47	कन्या	सूर्य	सिंह	23:10:00	चन्द्र	
05/02/2009		21:23:26	तुला	चंद्र	मेष	10:47:21	10/01/2026	
05/02/2028		07:45:26	कर्क	मंगल	कर्क	18:59:26	11/01/2036	
शनि	08/02/2012	12:29:31	तुला	बुध	सिंह	09:16:48	चन्द्र	10/11/2026
बुध	19/10/2014	22:33:18	तुला	गुरु व	मीन	00:02:36	मंगल	11/06/2027
केतु	27/11/2015	23:34:42	तुला	शुक्र	सिंह	09:59:43	राहु	10/12/2028
शुक्र	27/01/2019	12:47:38	कुंभ व	शनि व	मेष	09:15:00	गुरु	11/04/2030
सूर्य	09/01/2020	21:15:21	तुला	राहु व	सिंह	07:34:39	शनि	11/11/2031
चन्द्र	09/08/2021	21:15:21	मेष	केतु व	कुंभ	07:34:39	बुध	11/04/2033
मंगल	18/09/2022	28:36:47	धनु	हर्ष व	मक	15:34:12	केतु	10/11/2033
राहु	25/07/2025	26:47:34	धनु	नेप व	मक	05:48:49	शुक्र	12/07/2035
गुरु	05/02/2028	02:32:46	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:37:42	सूर्य	11/01/2036

लग्न-चलित

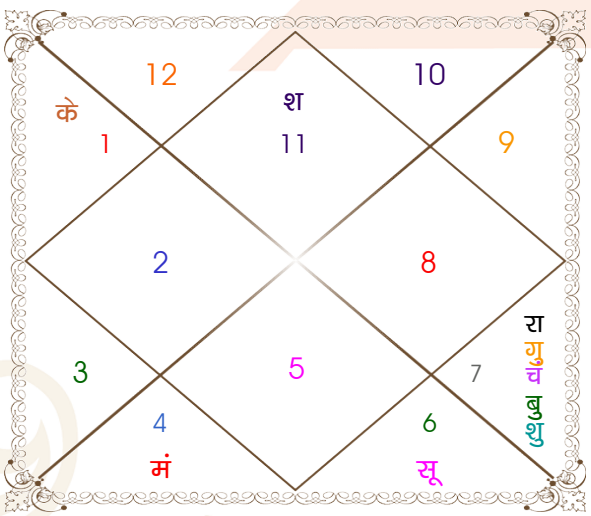

लग्न-चलित

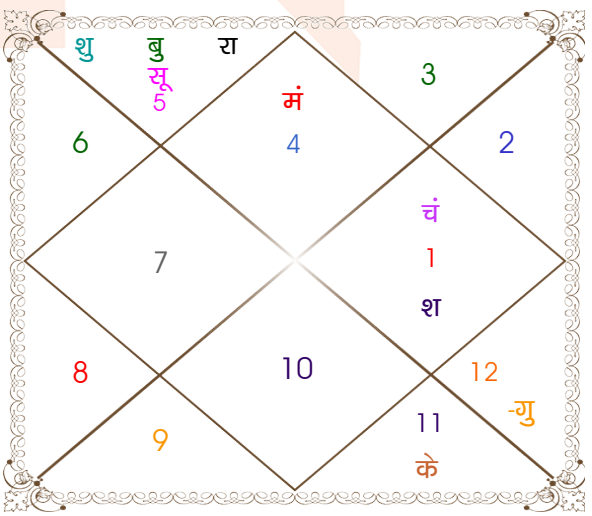

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

ाडीपरममज डपींतं का वर्ग सर्प है तथा ोर्जी डपींतं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ाडीपरममज डपींतं और ोर्जी डपींतं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ाडीपरममज डपींतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ोर्जी डपींतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ोर्जी डपींतं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ाडीपरममज डपींतं कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।ईपरममज डपैीतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।ईपरममज डपैीतं तथा ैीजीं डपैीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।